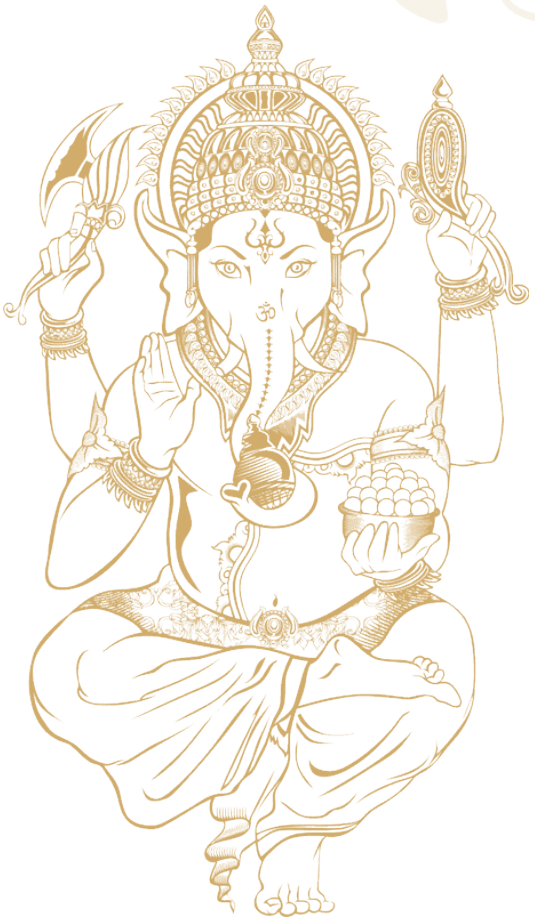

Sounam kasyap

26 Sep 2004

05:39 AM

Jatara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121796604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/09/2004**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:39:34 घंटे**
इष्ट	58:59:43 घटी
स्थान	**Jatara**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:00:00 उत्तर
रेखांश	79:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:25:46 घंटे
वेलान्तर	00:08:22 घंटे
साम्पातिक काल	05:46:21 घंटे
सूर्योदय	06:03:40 घंटे
सूर्यास्त	18:06:45 घंटे
दिनमान	12:03:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:19:49 कन्या
लग्न के अंश	02:58:56 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	धृति
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:58:56	327:12:28	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कन्या	09:19:49	00:58:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कुंभ	06:48:14	14:03:21	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	05:50:05	00:38:44	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	01:20:37	01:50:07	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु		अ	कन्या	06:15:59	00:12:58	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	27:12:50	01:08:18	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	01:44:42	00:04:26	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:28:45	00:04:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:28:45	00:04:32	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:47:43	00:01:59	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:54:15	00:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:48:31	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मिथु	02:56:40	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:14

लग्न-चलित

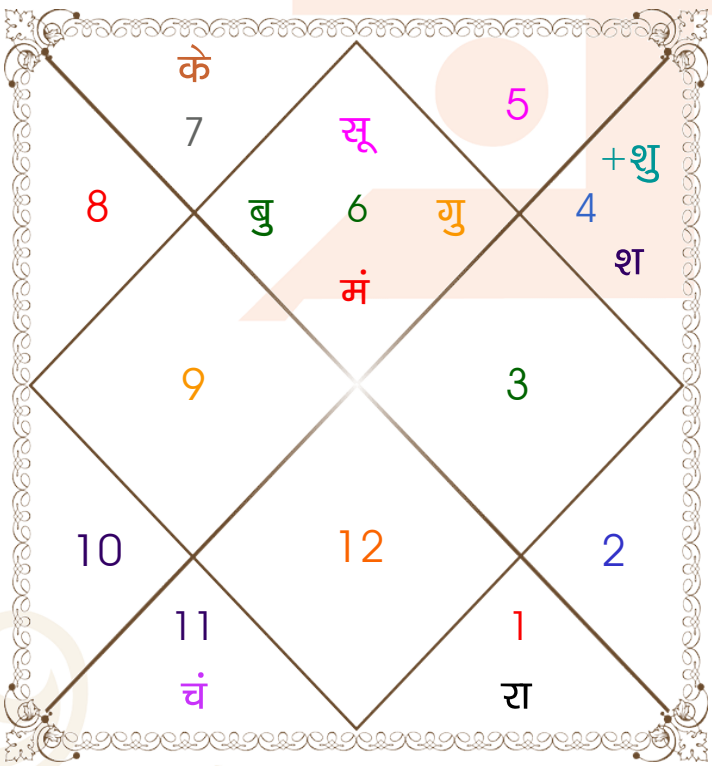

चन्द्र कुंडली

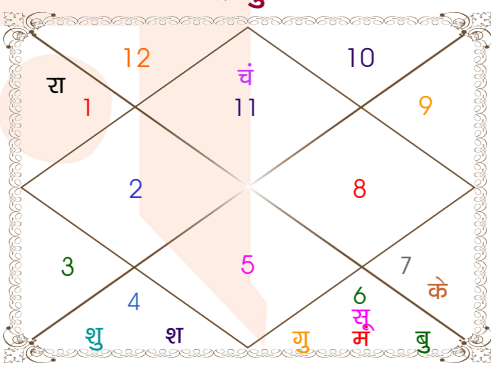

नवमांश कुंडली

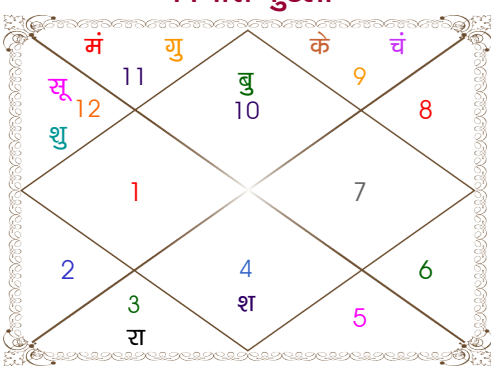

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 9 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/09/2004		21/07/2022		21/07/2038		20/07/2057		21/07/2074	
21/07/2022		21/07/2038		20/07/2057		21/07/2074		20/07/2081	
राहु	02/04/2007	गुरु	07/09/2024	शनि	23/07/2041	बुध	17/12/2059	केतु	17/12/2074
गुरु	26/08/2009	शनि	21/03/2027	बुध	02/04/2044	केतु	13/12/2060	शुक्र	16/02/2076
शनि	02/07/2012	बुध	26/06/2029	केतु	11/05/2045	शुक्र	14/10/2063	सूर्य	23/06/2076
बुध	19/01/2015	केतु	02/06/2030	शुक्र	11/07/2048	सूर्य	20/08/2064	चंद्र	22/01/2077
केतु	07/02/2016	शुक्र	31/01/2033	सूर्य	23/06/2049	चंद्र	19/01/2066	मंगल	20/06/2077
शुक्र	06/02/2019	सूर्य	19/11/2033	चंद्र	22/01/2051	मंगल	16/01/2067	राहु	08/07/2078
सूर्य	01/01/2020	चंद्र	21/03/2035	मंगल	02/03/2052	राहु	05/08/2069	गुरु	14/06/2079
चंद्र	02/07/2021	मंगल	25/02/2036	राहु	07/01/2055	गुरु	10/11/2071	शनि	23/07/2080
मंगल	21/07/2022	राहु	21/07/2038	गुरु	20/07/2057	शनि	21/07/2074	बुध	20/07/2081

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/07/2081		21/07/2101		22/07/2107		21/07/2117		21/07/2124	
21/07/2101		22/07/2107		21/07/2117		21/07/2124		00/00/0000	
शुक्र	19/11/2084	सूर्य	08/11/2101	चंद्र	21/05/2108	मंगल	17/12/2117	राहु	27/09/2124
सूर्य	19/11/2085	चंद्र	10/05/2102	मंगल	20/12/2108	राहु	05/01/2119		00/00/0000
चंद्र	21/07/2087	मंगल	14/09/2102	राहु	21/06/2110	गुरु	12/12/2119		00/00/0000
मंगल	19/09/2088	राहु	09/08/2103	गुरु	21/10/2111	शनि	20/01/2121		00/00/0000
राहु	20/09/2091	गुरु	27/05/2104	शनि	21/05/2113	बुध	17/01/2122		00/00/0000
गुरु	21/05/2094	शनि	09/05/2105	बुध	21/10/2114	केतु	15/06/2122		00/00/0000
शनि	20/07/2097	बुध	16/03/2106	केतु	22/05/2115	शुक्र	15/08/2123		00/00/0000
बुध	21/05/2100	केतु	22/07/2106	शुक्र	20/01/2117	सूर्य	21/12/2123		00/00/0000
केतु	21/07/2101	शुक्र	22/07/2107	सूर्य	21/07/2117	चंद्र	21/07/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।